8-5-2018

आज पहली बार ऐसा स्वप्न आया ।
स्वप्न में देखा की मुनि श्री अविचल सागर जी शिला पर ध्यान मुद्रा में बैठे हैं ,,बिल्कुल शांत । पिछि ओर कमण्डल भी बाजू में था । वह भगवान कि भक्ति में लीन थे । और तभी अचानक पीछे से 1 विशाल सर्प आया , जो सेकड़ो फनाओ का धारक था और काफी लंबाई में भी । ऐसा विशाल सर्प बड़े वेग से आकर मुनि श्री के पीछे सर पर फन फैलाये खड़ा हुआ । तब उस सर्प की मुद्रा भी शांत थी ,लेकिन दिखने में विशाल होने की वजह से मन मे घबराहट थी । तभी मुनि श्री के सर के पीछे से रोशनी निकलने लगी , ओर वह रोशनी गोल आकार में बन कर मुनि श्री के मस्तक के पीछे गोल गोल घूमने लगी । उस रोशनी का रंग हरा था । और तभी धीरे धीरे मुनि श्री के पूर्ण शरीर से अलग अलग ,जैसे कि कंठ ,वक्ष स्थल , ह्रदय ,नाभि में से भी रोशनी निकली , ओर वह रोशनी बाहर सब जगह फैल गई । और बाद में हमे उनके बगल में ही पार्श्वनाथ जी की प्रतिमा दिखाई दिया ,ओर इसके बाद स्वप्न खत्म हुआ ।

Last modified: 3:10 pm

10-5-2018

आज प्रातःकाल में प्रवचन में बैठे थे । हम ध्यान से सुन ही रहे थे कि , अचानक हमे मुनि श्री दिखाई नही दिए । ओर आवाज़ भी आना बंद हो गई । हमारी आंखों के सामने जो भी दृश्य था वह दिखना ही बंद हुआ , तभी उसी पाटे पर दिखाई दिया कि , आचार्य श्री विराजमान है और नीचे मुनि श्री अविचल सागर जी बैठे हैं । और आचार्य श्री उनसे बाते कर रहे हैं और बार बार आशीर्वाद दे रहे है । बहुत देर तक यह दृश्य दिखता रहा और तभी अचानक मुनि श्री के पीछे कोई रोशनी आयी ,,वह धुंधली धुंधली सी थी पर दिखाई दे रही थी । और वह रोशनी हरे रंग की हो गई । और वह रोशनी बढ़ती ही गई और महाराज जी का पूर्ण शरीर ही हरे रंग का हो गया । ओर सर के पीछे अनेक रंगों की रोशनी निकलने लगी । इस के बाद देखा कि ,मुनि श्री के वक्ष स्थल पर नारंगी रंग का 1 चक्र बना , उसका तेज बहुत था और उसमें से किरणे निकलने लगी । और उस चक्र में से ॐ मन्त्र लिखा हुआ प्रगट हुवा ।

आज ऐसा अनुभव प्राप्त हुआ । आज पहली बार खुली आँखों से दिन में साक्षात सामने बैठ कर यह अनुभूति मिली ।

तदनंतर फिर पहले जैसा सब दिखने लगा और आवाज़ भी सुनाई देने लगी प्रवचन की ।

ॐ ॐ ॐ ॐ

Last modified: 3:19 pm

11-5-2018

आज तो रात्रि में 1 स्वप्न देखा। स्वप्न में देखा की ,मुनि श्री मंदिर में विराजमान है शांत मुद्रा में ओर उनके सामने श्री 1008 पार्स्वनाथ जी की प्रतिमा है । मुनि श्री धीरे धीरे भगवांन जी से बाते कर रहे थे । हम उनके शब्द सुन ही न पाए और तभी अचानक उनके पीछे 1 विशाल फनाओ वाला सर्प आकर खड़ा हुआ । और उस सर्प के पीछे पीछे सेकड़ो सर्प आकर खड़े हो गए , वह भी सेकड़ो फनाओ वाले थे सर्प । हमे जहा तक दिख रहा था वहां तक सर्प ही सर्प दिखाई दे रहे थे ।
तभी हमने सर्प से पूछा कि आप कौन हो और कितने हो ? उनोने जवाब दिया कि , हम इनके साथ है ,ओर हम भी ओर हमारे जैसे लाखो इनके साथ है । और भी आने वाले है । बस इतना ही उनोने हमे कहा ।
फिर हमने मुनि श्री से ही पूछ लिया कि , महाराज जी आप भगवान जी से बात कर रहे क्या , तो उन्होंने कहा ,,हा । बस आज इतना ही स्वप्न में देखा।

Last modified: 4:52 pm

12-5-2018

आज सायंकाल के समय गुरु वंदना में गए थे । भक्ति में । तब मुनि श्री चिंतन दे रहे थे । हम 5 – 10 मिनट तक सुनते रहे । तभी हमें मुनि श्री के पीछे ,पीठ के पास से हरे रंग की रोशनी दिखाई दी । और वह रोशनी बढ़ती ही गई । पूर्ण शरीर हरे रंग का हो गया धीरे धीरे । फिर उस रोशनी में धुंधला धुंधला सा ऐसा दिखाई दिया जैसे ओर भी कोई साधु वहां हो । और फिर ओ रोशनी 3 4 जगह बट गई और उसमें मुनि श्री की ही छवि बन गई और महाराज श्री 4 जगह दिखने लगे ।
आज यही अनुभव स्पष्ठ आंखों से देखा ।

Last modified: 5:01 pm

15-5-2018

आज प्रातः में मुनि श्री के प्रवचन सुन ने गए थे । कुछ समय बाद हमे मुनि श्री पाटे के ऊपर जहा मुनि श्री बैठे थे उस से 1 2 फिट ऊपर ही पाटे के दिखाई देने लगे , काफी देर तक मुनि श्री को हमने आसमान में बैठे देखा । और कुछ समय बाद रोज के जैसे ही हरे ओर नारंगी रंग की रोशनी उनके शरीर से निकलने लगी । और वह बाहर फैलने लगी ।
आज ऐसा दृश्य देखा ।

Last modified: 5:47 pm

23_5 – 2018

- आज शाम के समय हम गुरुवंदना में बैठे थे । मुनि श्री सामने ही बैठे हुए थे और नगर के लोग भी थे । रोज की भांति हम काफी देर तक मुनि श्री को देखते रहे । तब ठीक उनके माथे के बीचों बीच 1 छोटी सी बिंदी के आकार की रोशनी दिखाई दिया । वह ऑरेंज कलर की थी । और अब धीरे धीरे वह रोशनी बढ़ती गई ,ओर पूरे शरीर में व्याप्त हो गई वह रोशनी । ओर उस रोशनी का तेज बढ़ता ही गया ,बढ़ता ही गया । पूरा शरीर ऑरेंज कलर का हो गया और उसके पीछे हरे रंग की रोशनी फैल गई जो ओर अधिक सुंदर दिख रही थी । जब ये स्वरूप दिख रहा था तभी मुनि श्री के 1 शरीर की जगह 3 शरीर दिखने लगे जो दिव्य रोशनी से बने थे ,,,हूबहू । ओर ऐसा बहुत बार दिखा था इसके पहले भी । इतने में मुनि श्री के पीछे 1 विशाल सेकड़ो फना वाला सर्प फन फैला कर खड़ा हुवा दिखाई दिया जो अधिक प्रस्सन था । आज यही अनुभव मिला

Last modified: 29 May 2018

24 5 2018

आज सायंकाल के गुरु वंदना में बैठे थे । उसी समय महाराज श्री के माथे पर अचानक से रोशनी दिखाई देने लगी । और धीरे धीरे मुनि श्री का रूप बदलने लगा । और मुनि श्री का शरीर विशाल ,बड़ा होता गया , बहुत ही बड़ा रूप हो गया था ओ । फिर आस पास अंधेरा सा होने लगा जैसे कि सब धुंधला धुंधला सा प्रकाश हो । उसी समय आचार्य श्री दिखे ,,जो चल रहे थे और उनके पीछे पीछे मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज जी ,ऐसा लग रहा था जैसे मुनि श्री के ह्रदय में अपार भक्ति श्रद्धा भर गई हो । फिर मुनि श्री चलते चलते 1 पहाड़ के पास पहुंचे और वहा खड़े हुए । पास में 1 गुफा भी थी , फिर महाराज जी उस गुफा में गए । जिसमे से हरे रंग की रोशनी निकल रही थी । आज का यही अनुभव मिला ,

Last modified: 29 May 2018

25 5 2018

महाराज श्री जी के पास आज शाम को भक्ति में गए थे । तभी महाराज श्री जी के माथे पर कमल का फूल दिखा जो सफेद रोशनी से बना हुआ था जो बहुत ही सुंदर दिख रहा था। फिर कुछ समय बाद उस फूल में से रोशनी निकलने लगी जो पूर्ण शरीर मे समा गई । और फिर महाराज जी का रुप बदलने लगा ,अलग अलग दिखने लगे मुनि श्री।
ओर महाराज जी बिल्कुल शांत भाव से ध्यान में बैठे हैं । फिर महाराज जी के पीछे निरंतर चल रहा था ऐसा चक्र दिखने लगा । ओर उस चक्र के प्रभाव से वहां आस पास बहुत प्रकाश फैल गया । और फिर केसरिया रंग आसमान में फैल गया ।
आज यही अनुभव मिला।

Last modified: 29 May 2018

26 5 2018

आज शाम के समय हम भक्ति में गए थे । काफी देर बैठने के बाद दिखने लगा अपने आप ही । कि , महाराज श्री के दोनों हाथ में से केसरिया रंग की रोशनी निकल रही । बहुत बहुत तेज रोशनी थी । फिर कंधे के पास हरे रंग की रोशनी निकलने लगी । और वह फैलने लगी आसमान में ,जिससे वहा आस पास भी रोशनी फैल गई । फिर महाराज जी के माथे पर कमल का फूल दिखा ओर वह फूल फैलने लगा और उसमें से महाराज जी के अनेक रूप दिखने लगे ।

आज यही अनुभव हुआ ।

आज ओर भी कई लोगो को खुली आँखों से यह सब दिखा । उनको भी विस्वास हुवा आज ।

Last modified: 29 May 2018

29-5-2018

आज शाम के समय भक्ति में गए थे । कुछ समय बैठने के बाद ही हमे महाराज जी के माथे से बहुत तेज लाल रंग की रोशनी दिखने लगी । वह इतनी सुंदर थी , कि , देखते ही रह जाय बस । फिर इसके बाद उनके दोनों हाथों में रोशनी दिखाई देने लगी । कभी कभी मन करता है कि महाराज जी से पूछ ही ले ,की इतनी रोशनी कैसे निकलती है । आंखे तक बंद करना पड़ता है उस दिव्य रोशनी की चमक से कभी कभी । ओर फिर महाराज जी के कई रूप बनने लगे , 1 ही जैसे कई अविचल सागर जी । छोटे और बड़े आकार में दिखने लगे । आज ऐसा अनुभव हुआ ।

Last modified: 5:58 pm

30-5-2018

आज शाम के समय भक्ति में गए थे । फिर रोज के भांति मुझे दिव्य दृश्य दिखाई देने लगा। आज माथे पर हरे रंग की रोशनी ओर सर के पीछे नारंगी रोशनी चक्र के समान चल रही थी । यह दृश्य बहुत सुंदर था । इतने में ही महाराज जी का आधा शरीर बदल गया ,बाये की तरफ का उसमे कोई और ही आकार प्रगट हो रहा था । ओर उनके मुख की जगह कमल का फूल खिलने लगा । और उसमें से भी दिव्य रोशनी निकलने लगी ।
आज ऐसा अनुभव हुआ।

Last modified: 6:03 pm

31-5-2018

आज शाम को भक्ति में गए थे । कुछ समय बाद दृश्य दिखने लगा महाराज जी के शरीर मे । रोज की भांति । आज माथे पर हरि रोशनी दिखाई देने लगी और गले मे से भी ओर मुख में से भी नारंगी रंग की रोशनी निकलने लगी और उसकी सुंदर आभा आकाश में फैल गई । और वहा आस पास का माहौल अति सुंदर दिखने लगा ।
तभी मुनि श्री के माथे पर पारसनाथ भगवान जी की प्रतिमा दिखने लगी ,जो स्वर्ण से निर्मित थी । और भी ऐसी अनेक प्रतिमा उनके मस्तक में से निकल कर आने लगी । और जो हर रंग की रोशनी थी वह पूरे शरीर मे फैल गई ।
आज ऐसा अनुभव मिला ।

हम जब भी मुनि श्री के दर्शन करने उनके सामने जाते है , तभी हम को ये सब दिव्य दर्शन होने लगे है । पहले लगता था हमे ,की ये सब भ्रम है ,लेकिन ओर भी लोगो को जो अनजान थे मुनि श्री से ,उनको भी मेरे जैसा ही हूबहू दिखता है मुनि श्री के शरीर मे ।
यह सब पारसनाथ जी की कृपा ही है ।

Last modified: 6:10 pm